ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

बुद्ध के समय पालि थी लोकजन की भाषा -डॉ. मालती बोधिले

हिंदी विवि में " पालि भाषा की उत्पत्ति एवं विकास " पर विशेष व्याख्यान

वर्धा दि. 24 मार्च 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित डॉ भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा 'पालि भाषा की उत्पत्ति एवं विकास' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में वसंतराव नाईक टेक्निकल इंस्टिटयूट, नागपुर के पालि विभाग की प्रमुख प्रो. मालती साखरे बोधिले ने कहा कि भगवान बुद्ध ने धम्म उपदेश एवं धम्म चिंतन को जनमानस में पहुंचाने के लिए पालि भाषा का चुनाव किया था। उनके समय में पालि एक महत्वपूर्ण लोकजन की भाषा थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ. एम.एल.कासारे ने की।

डॉ. मालती बोधिले ने विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में अपनी बात अत्यंत विद्वतापूर्वक तरीके से रखते हुए कहा कि लगभग 45 सालों तक भगवान बुद्ध चारिका करते रहे और तमाम लोगों को उपदेश देते रहे। इसके लिए उस समय की लोकभाषा पालि का उन्होंने उपयोग किया। पालि यह आम लोगो की भाषा थी, इस भाषा का महत्व भगवान बुद्ध ने बढाया और धम्म चिंतन भी इस भाषा के माध्यम से तत्कालिन समाज में प्रचारित एवं प्रसारित किया। पालि भाषा की परिभाषा बताते हुए उन्होंने कहा कि पालि का अर्थ 'पालन करना' है। सारा बौद्ध साहित्य जिसे हम त्रिपिटक कहते है वह भी पालि में लिखा गया है। भारतीय संविधान में भी पालि भाषा का महत्व बताया गया है। उन्होंने कई उदाहरण देकर पालि भाषा का महत्व स्पष्ट किया।

अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. एम. एल. कासारे ने कहा कि पालि में लिखा गया साहित्य महासागर जैसा है। अनेक विषयों के महत्वपूर्ण ग्रंथ पालि भाषा में लिखे गये हैं। भारतीय संस्कृति में पालि भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिभा ताकसांडे ने तथा धन्यवाद ज्ञापन बौद्ध अध्ययन केंद्र के रिसर्च फेलो लक्ष्मण प्रसाद ने किया। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के रीडर डॉ. कृपाशंकर चौबे, स्त्री अध्ययन विभाग के रीडर डॉ. शंभु गुप्त, केंद्र के सहायक व्याख्याता डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, रवि शंकर सिंह, राकेश मिश्रा, संदीप सपकाले, शैलेष कदम मरजी, शंभु जोशी, अमरेन्द्र शर्मा, अमित राय, उमाकान्त चौबे, फवाद अहमद, अमन ताकसांडे एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org